भारत सरकार
खान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3177
दिनांक 11.03.2026 को उत्तर देने के लिए

राजस्थान के खेतड़ी में तांबा संयंत्र

3177. श्री बृजेन्द्र सिंह ओलाः

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राजस्थान के झुंझुनू जिले के खेतड़ी में स्थित तांबा संयंत्र "मिनी रत्न श्रेणी-I" के अंतर्गत आता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या उक्त संयंत्र पहले तांबा शोधन के लिए कॉपर स्मेल्टरों से सुसज्जित था;
(ग) क्या वहां स्थानीय स्तर पर शोधन प्रक्रिया की जा रही थी;
(घ) यदि हां, तो क्या उक्त संयंत्र वर्तमान में गैर-परिचालन है और इसके क्या कारण हैं;
(ङ) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि तांबा स्मेल्टर के बंद होने के कारण क्षेत्र के सैकड़ों कुशल युवा और श्रमिक बेरोजगार हो गए हैं;
(च) यदि हां, तो उक्त तांबा स्मेल्टर के कब तक फिर से शुरू होने की संभावना है; और
(छ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कोयला और खान राज्य मंत्री
(श्री सतीश चंद्र दूबे)

(क) से (छ): राजस्थान के झुंझुनू जिले में स्थित खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स (केसीसी), खान मंत्रालय के अधीन हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल), एक मिनीरत्न-I केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसई) की एक इकाई है। केसीसी में स्मेल्टर और रिफाइनरी संयंत्र को तांबा अयस्क की निम्न श्रेणी, उच्च प्रसंस्करण लागत, संयंत्र को दुरुस्त करने एवं प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों के अनुपालन हेतु एसिड संयंत्रों के प्रतिस्थापन के लिए आवश्यक अत्यधिक अतिरिक्त निवेश आदि जैसे कारणों से बंद कर दिया गया है। केसीसी स्मेल्टर-रिफाइनरी

संयंत्र के सभी कर्मचारियों को कंपनी के अन्य प्रचालनों में तैनात कर दिया गया था।

आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनने के लिए स्मेल्टर और रिफाइनरी संयंत्र की उत्पादन क्षमता अधिक होनी चाहिए और इसके लिए अत्यधिक पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है। कॉपर स्मेल्टर को पुनः प्रारंभ करने के लिए केसीसी में अधिक मात्रा में खनन उत्पादन क्षमता में वृद्धि की गुंजाइश आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है।

*****